दैनिक

उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

क :13 कानपुर, रविवार 2 फरवरी 2025 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्

सीएसए में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज हुआ समापन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (27 जनवरी से 01 फरवरी 2025 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि पादप रोग विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है। जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। डॉ .श्रीवास्तव ने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित उत्तर प्रदेश बिहार एवं राजस्थान के लगभग 77 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

राष्ट्रीय स्वरूप

varoop.in कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 221 कानपुर, रविवार 02 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12

छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कानपुर । सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (27 जनवरी से 01 फरवरी 2025 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि पादप रोग विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है। जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। डॉ .श्रीवास्तव ने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुन: निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक–युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सीएसए में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज हुआ समापन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (27 जनवरी से 01 फरवरी 2025 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि पादप रोग विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम

है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है। जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती विविधता को स्थिरता प्रदान करने और आय बढ़ाने की दृष्टि से लाभकारी है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोग रोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। डॉ .श्रीवास्तव ने कहा कि मशरूम में उपस्थित पोषक तत्व मानव शरीर के निर्माण, पुनः निर्माण एवं वृद्धि के लिए आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ एस के विश्वास ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मशरूम की खेती कर उद्यम अपना कर आत्मनिर्भर बने। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास ने कहा कि मशरूम की खेती कर महिलाएं, बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बेरोजगारी दूर करने के लिए उत्तम साधन है। डॉ एसके विश्वास ने छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हुए विभिन्न व्याख्यानो एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित उत्तर प्रदेश बिहार एवं राजस्थान के लगभग 77 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

32.0°
अधिकतम
21.0°
न्यूनतम
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD
खबरें एक्सप्रेस

सीएसए विश्वविद्यालय में मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर मुख्य अतिथि पादप रोग विज्ञान विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए।

इस अवसर पर डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि मशरूम के पोषणीय महत्व के अलावा मशरूम का उत्पादन एक बहुत ही लाभकारी उद्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु न्यूनतम भूमि आकार की आवश्यकता होती है। मशरूम जैविक खाद का एक मूल्यवान स्रोत है। जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जाता है। इस प्रशिक्षण में छात्र, उद्यमी एवं किसानों सहित उत्तर प्रदेश बिहार एवं राजस्थान के लगभग 77 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिसर में पौधरोपण भी किए गए।

वर्ष 08, अंक 317, कानपुर, रविवार, 2 फरवरी 2025
पृष्ठ- 08, मूल्य- 02 रुपये www.shashwattimes.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
शाश्वत टाइम्स

कानपुर

WWW.Sh
कानपुर महानग

सीएसए में चल रहे छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में चल रहे छह दिवसीय (27 जनवरी से 01 फरवरी 2025 तक) मशरूम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर मुकेश श्रीवास्तव ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर कहा कि मशरूम का उत्पादन केवल पोषण के दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह एक अत्यंत लाभकारी उद्यम भी है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि मशरूम उत्पादन के लिए बहुत कम भूमि की आवश्यकता होती है और यह जैविक खाद का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है, जो बागवानी फसल उत्पादन में उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही, मशरूम की खेती स्थिरता और आय बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है।डॉ. श्रीवास्तव ने मशरूम के पोषक तत्वों के महत्व पर भी चर्चा करते हुए बताया कि यह मानव शरीर के निर्माण, पुनर्निर्माण और वृद्धि के लिए आवश्यक होते हैं। नोडल अधिकारी डॉ. एस. के. विश्वास ने प्रशिक्षणार्थियों से मशरूम की खेती को एक उद्यम के रूप में अपनाने और आत्मनिर्भर बनने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि मशरूम की खेती बेरोजगारी दूर करने के लिए महिलाओं और युवा-युवतियों के लिए एक बेहतरीन साधन हो सकती है।इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के लगभग 77 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया।